REVIEW OF RESEARCH
IMPACT FACTOR : 5.2331 (UIF) UGC APPROVED JOURNAL NO. 48514 ISSN: 2249-894X
VOLUME - 7 | ISSUE - 7 | APRIL - 2018

गुजरात राज्य के उच्च प्राथमिक स्तर (कक्षा 6 से 8) के सामाजिक विज्ञान पाठ्यपुस्तक की विषय वस्तु में समाविष्ट मूल्योका विश्लेषण

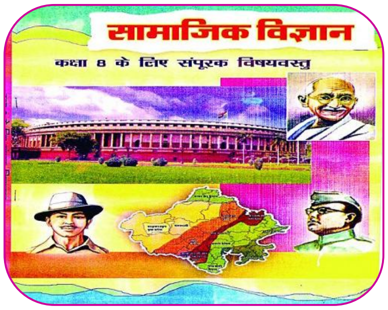

डॉ. धीरज परमार
सहप्राध्यापक , आणंद एज्युकेशन कोलेज, आणंद.

सारांश

आज हमारी भारतीय संस्कृति के प्राचीन और परंपरागत मूल्यो जैसे के सत्य, अहिंसा, सदाचार त्याग, प्रेम, शांति, सहिष्णुता, सहानुभूति, देशप्रेम, मानवता की दिनप्रतिदिन कमी महसूस हो रही है। आज हताशा, निराशा, वेदना, अकेलापन जैसे नकारात्मक घटकों से मनुष्य जीवन प्रभावित है। अखबार हररोज सुबह कोइ न कोई घोटाले की बात लेकर हमारे सामने आता है। एसे नकारात्मक समाचारो से मनुष्यका नैतिक जीवन का पूरा पत्ता चलता है। एडविन टोफलर भी ये बात को समर्थन में कहते है कि इतिहास में सबसे अधिक हिसाबी, लोभी, वेपारी मानसवाली और पैसे के पिछे पागल एसी संस्कृति खडी हुई है। मनुष्य के मूल्यलक्षी जीवनमें बहुत तेज गति से परिवर्तन हो रहा है। हमारी शिक्षा व्यवस्था भी डीग्रीलक्षी और उत्पादक मूलक हो रही है। एसी स्थितिमे शिक्षाके माध्यम से मूल्यशिक्षा अत्यंत आवश्यक है। मूल्यशिक्षा से मूल्यो का विकास करके उसे अच्छा नागरिक बनाना अत्यंत कठिन कार्य है। हमारी राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986) मे भी मूल्यशिक्षा की बात रखी हुई है। राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा की रुपरेखा (2005) के अनुसार सामाजिक विज्ञानकी जिम्मेदारी ये है न्याय और वैविध्य प्रति सन्मान हो, एसा मूल्य छात्रो में प्रस्थापित हो। सामाजिक विज्ञान की विषयवस्तुमें बच्चो में सामाजिक, नैतिक ताकात बढे, स्वतंत्र रहकर सोच सके और मूल्यो के मार्ग पर कदम रखे।

गुजरात राज्य शाला पाठ्यपुस्तक मंडल गांधीनगर से प्रकाशित कक्षा 6, 7, 8 की सामाजिक पाठ्यपुस्तक के विषयवस्तु का विश्लेषण NCF 2005 में बताये हुए मूल्यों के आधार पर करनेका प्रयास किया है। प्रस्तुत शोधपत्र में कक्षा 6 से 8 के सामाजिक विज्ञान पाठ्यपुस्तक में समाविष्ट मूल्यो का विश्लेषण करने का प्रयास किया गया है।

प्रस्तावना :-

प्रवर्तमान समय में मानव 'यंत्रमानव' हो गया है। उसक भीतर क चेतनां 'घटती' जा रही है। आज मनुष्य दूसरो का नहीं लेकिन अपने आपका सोचते है। सभी जगह अपना फायदा ढूंढता है। समाजमें स्वार्थ, असलामती, तनाव को लेकर मनुष्यका जीवन अरसिक बोझिल और अर्थशून्य होता जा रहा है। एसी दयनीय स्थिति में मूल्यशिक्षा एक बहुत बडा आश्वासन है। समाज को अभी भी शिक्षा की और एक आशा है। मनुष्य को भीतर से बदलनेकी ताकात केवल शिक्षा के पास है। अच्छी और सच्ची शिक्षा से हम समाज, देश और विश्व को बदल सकते है। NCF 2005 ने पाठ्यपुस्तक के विषयवस्तु के माध्यमसे छात्रो को मूल्यो की शिक्षा देने का अनुरोध किया है। सामाजिक विज्ञान का विषयवस्तु से हम भविष्य मे समतामूलक, सहकारमूलक और शांतिमूलक समाज का निर्माण कर सकते है। सामाजिक विज्ञान की शिक्षा से छात्रो में मानवता, सहकार, स्वतंत्रता, स्वास्थ्य, आनंद, सफलता, विश्वास, परस्पर सम्मान और विविधता का आदर्श जैसे मूल्योका बढना है। पाठ्यपुस्तक मूल्यशिक्षाके लिए अच्छा उपकरण है। प्रस्तुत शोधपत्र गुजरात राज्य के कक्षा 6 से 8 के सामाजिक विज्ञान पाठ्यपुस्तक में समाविष्ट मूल्यो की विश्लेषण करनेकी कोशिश की गई है। शोधपत्र में प्रस्तुत शब्दोका विश्लेषण इस प्रकार है।

सामाजिक विज्ञान :-

गुजरात के कक्षा 6 से 8 उच्च प्राथमिक विभाग और कक्षा 9 से 10 माध्यमिक कक्षा मे पढाया जानेवाला एक विषय। सामाजिक विज्ञान एक एसा विज्ञान है जिस में समाज के अैतिहासिक, राजकीय, संवैधानिक, भूमंडलीय, अर्थशास्त्रीय समाज रचना के विविध ख्यालो का परिशीलन।

मूल्य :-

मूल्य एक विचार है । जीवन में कुछ महत्वपूर्ण होने का विचार मतलब होता है मूल्य । मूल्य का मतलब है कुछ उपयोगी, महत्वपूर्ण और पान के योग्य । मूल्य अभिव्यक्ति का विषय नहीं लेकिन अनुभूति की बात है । मूल्य एक एसा आचरण है जिसकी बजह से मनुष्य अपने जीवन का मतलब समझता है । मूल्य के बुनियाद पर व्यक्ति, समाज और राष्ट्रकी प्रतिभा और प्रतिष्ठा बढती है । मूल्यो के साथ जीनेवाली अलग प्रतिभा होती है यह जीवनकी सार्थकता है ।

पाठ्यपुस्तक :-

छात्रो को ज्ञानप्राप्ति की प्रक्रिया मे हरपल उपयोगी हो एसा विषयवस्तु का संचय जिस मे किया गया है उसे पाठ्यपुस्तक कहते है । विषयवस्तु पाठ्यपुस्तक का प्राण है । शिक्षक और छात्र के लिए पाठ्यपुस्तक अत्यंत उपयोगी साधन है । पाठ्यपुस्तक साधन है साध्य नहीं । ज्ञान प्राप्ति का एक अच्छा साधन पाठ्यपुस्तक है।

विषयवस्तु विश्लेषण :-

पाठ्यपुस्तक में रखी गई लिखित सामग्री में से मूल्य के संबंध में अभ्यास करने की विधि को विषयवस्तु विश्लेषण कहते है । मूल्य कितनी मात्रा में है उसका अंकगणितीय विश्लेषण किया जा सकता है ।

समस्या कथन :-

गुजरात राज्य के उच्च प्राथमिक स्तर (कक्षा 6 से 8) के सामाजिक विषय पाठ्यपुस्तक की विषयवस्तु मे समाविष्ट मूल्यो का विश्लेषण ।

संशोधनके उदेश्य :-

(1) गुजरात के कक्षा 6 से 8 के सामाजिक विज्ञान पाठ्य पुस्तक की विषयवस्तु मे समाविष्ट मूल्य का विश्लेषण करना ।
(2) गुजरात के कक्षा 6 से 8 के सामाजिक विज्ञान पाठ्यपुस्तक की विषयवस्तु में समाविष्ट मूल्य कितनी मात्रा में है उसका विश्लेषण करना ।
(3) उच्च प्राथमिक स्तर कक्षा 6 से 8 के सामाजिक विज्ञान पाठ्यपुस्तक का NCF 2005 की रुपरेखा मे रखे हुए मूल्यो के अनुसार विश्लेषण करना ।

संशोधन की प्रक्रिया :-

न्यादर्श :- गुजरात राज्य शैक्षणिक संशोधन तालम परिषद (GCERT) और गुजरात राज्य शाला पाठ्यपुस्तक मंडल गांधीनगर द्वारा प्रस्तुत कक्षा 6 से 8 का सामाजिक विज्ञान का पाठ्यपुस्तक ।
उपकरण :-राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा की रुपरेखा - 2015 में प्रस्तुत मूल्यो के आधार पर ''मूल्यश्रेणी का निर्माण किया गया''

सामाजिक विज्ञान के पाठ्यपुस्तक की विषयवस्तु का विश्लेषण :-

कक्षा 6 से 8 की सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तक की विष्यवस्तु का अध्ययन मूल्यो के संदर्भमे किया जिसका विवरण इस प्रकार है ।

कक्षा 6 की पाठ्यपुस्तक मे नकशा जानिये, नागरिकता, हमारा घर पृथ्वी, गुजरातः स्थान, सीमा, भूपृष्ठ, विविधतामे एकता, कुदरती संसाधन , स्थानिक सरकार, हक और फर्ज, कृषि उद्योग, परिवहन, शांति और अहिंसा का संगम, इतिहास जानने का स्त्रोत जैसे इकाई से छात्रो मे प्रजातांत्रिक, न्याय, समानता, स्वतंत्रता, पर्यावरण, जेंडर समनता मूल्य का विकास होगा ।

कक्षा 7 की पाठ्यपुस्तक में सरकार, पृथ्वी का घुमना, स्थान और समय, भारतः स्थान, सीमा, भूपृष्ठ, मध्ययुग के दिल्ली दर्शन, कुदरती संसाधन, कृषि उद्योग, परिवहन, भारतीय लोकजीवन, मुघल साम्राज्य जैसे इकाई से छात्रो में न्याय, समानता, स्वतंत्रता, पर्यावरण, सांस्कृतिक मूल्य, जेंडर समानता मूल्य का विकास होना

कक्षा 8 की पाठ्यपुस्तक में भारतीय संविधान, कुदरती प्रकोप, अंग्रेज शासन की भारत पर असर, स्कूल पंचायत चुनाव, 1857 का स्वातंत्र्य संग्राम जैसे इकाई मूल्यको पोषित करनेवाले है । इस इकाई से छात्रो में वैज्ञानिक चिंतन, सामाजिक मूल्य, जेंडर समानता, भातृत्व जैसे मूल्योका विकास होगा ।

कक्षा 6 से 8 के सामाजिक विज्ञान के पाठ्यपुस्तक में समाविष्ट इकाई संख्या इस प्रकार है ।

कक्षा	इकाई की संख्या		कुल
	सत्र - 1	सत्र -2	
6-	9	11	22
7 -	9	12	21
8 -	9	14	23

गुजरात राज्य के कक्षा 6 से 8 की सामाजिक विज्ञान पाठ्यपुस्तक का विषयवस्तु मे समाविष्ट मूल्योका विवरण

कक्षा	मूल्य → / मूल्य की आवृत्ति ↓	प्रजातांत्रिक राष्ट्रीय	न्याय	स्वतंत्रता	समानता	भातृत्व	वैज्ञानिकचिंतन	पर्यावरण	जेंडर समानता	सांस्कृतिक सौंदर्यात्मक	नैतिक	सामाजिक
6	आवृत्ति	9	10	7	10	11	6	8	9	5	5	8
7	आवृत्ति	8	13	12	13	12	5	8	7	8	5	6
8	आवृत्ति	12	15	16	17	17	6	5	4	4	2	5

गुजरात राज्यकी कक्षा 6 की सामाजिक विज्ञान पाठ्यपुस्तककी विषयवस्तु में समाविष्ट मूल्योकी आवृत्ति

क्रम	मूल्य	आवृत्ति	प्रतिशत
1.	प्रजातांत्रिक/राष्ट्रीय	9	10.23
2.	न्याय	10	11.36
3.	स्वतंत्रता	7	7.96
4.	समानता	10	11.36
5.	भातृत्व	11	12.5
6.	वैज्ञानिक चिंतन	6	6.82
7.	पर्यावरण	8	9.09
8.	जेंडर समानता	9	10.23
9.	सांस्कृतिक/सौंदर्यात्मक	5	5.68
10.	नैतिक/शांति	5	5.68
11.	सामाजिक	8	9.09
	कुल	88	100

गुजरात राज्य की कक्षा 7 की सामाजिक विज्ञान पाठ्यपुस्तक की विषयवस्तु मे समाविष्ट मूल्योकी आवृत्ति

क्रम	मूल्य	आवृत्ति	प्रतिशत
1.	प्रजातांत्रिक/राष्ट्रीय	8	8.25
2.	न्याय	13	13.40
3.	स्वतंत्रता	12	12.37
4.	समानता	13	13.40
5.	भातृत्व	12	12.37
6.	वैज्ञानिक चिंतन	5	5.16
7.	पर्यावरण	8	8.25
8.	जेंडर समानता	7	7.22
9.	सांस्कृतिक/ सौंदर्यात्मक	8	8.25
10.	नैतिक/शांति	5	5.15
11.	सामाजिक	6	6.18
कुल		97	100.0

गुजरात राज्य की कक्षा -8 वी सामाजिक विज्ञान पाठ्यपुस्तक की विषयवस्तुमें समाविष्ट मूल्यो की आवृत्ति

क्रम	मूल्य	आवृत्ति	प्रतिशत
1.	प्रजातांत्रिक/राष्ट्रीय	12	11.65
2.	न्याय	15	14.56
3.	स्वतंत्रता	16	15.53
4.	समानता	17	16.50
5.	भातृत्व	17	16.50
6.	वैज्ञानिक चिंतन	6	5.84
7.	पर्यावरण	5	4.85
8.	जेंडर समानता	4	3.88
9.	सांस्कृतिक/ सौंदर्यात्मक	4	3.88
10	नैतिक/शांति	2	1.95
11	सामाजिक	5	4.86
कुल		103	100

उच्च प्राथमिक स्तर कक्षा 6 से 8 की पाठ्यपुस्तको का मूल्यो के संदर्भमे सर्वग्राही मूल्यांकन :

कक्षा 6 की पाठ्यपुस्तक की विषय वस्तु मे प्रजातांत्रिक, न्याय, समानता, भातृत्व, जेंडर समानता, सामाजिक मूल्यो का औसत मात्रा में स्वतंत्रता, वैज्ञानिक चिंतन, सांस्कृतिक, नैतिक मूल्योका निम्न मात्रा में समावेश हुआ है।

कक्षा - 7 की पाठ्यपुस्तक की विषयवस्तु में न्याय, स्वतंत्रता, समानता, भातृत्व, पर्यावरण मूल्य उचित मात्रा में समाविष्ट है। प्रजातंत्र वैज्ञानिक चिंतन, जेंडर समानता, पर्यावरण, नैतिक, सामाजिक मूल्य निम्न मात्रा में है।

कक्षा - 8 की पाठ्यपुस्तक की विषयवस्तु में प्रजातांत्रिक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, भातृत्व, मूल्यकी मात्रा अधिक है। लेकिन वैज्ञानिक चिंतन, पर्यावरण, जेंडर समानता, सांस्कृतिक, नैतिक और सामाजिक मूल्यकी मात्रा कम है।

गुजरात राज्य के उच्च प्राथमिक स्तर कक्षा 6 से 8 की सामाजिक विज्ञान के पाठ्यपुस्तक की विषयवस्तुमे राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा रुपरेखा (NCF 2005) अनुसार के मूल्य समाविष्ट है ।

संदर्भसूचि :-

- पटेल हर्षद (2017) (NCF) 2005 राष्ट्रीय अभ्यासक्रम की रुपरेखा, क्षिति पब्लिकेशन, अहमदाबाद
- पटेल मोतीभाई (2007) विकासमान भारतीय समाजमे शिक्षा, बी.एस.शाह प्रकाशन, अहमदाबाद
- पटेल मोतीभाई (2007) सामाजिक विज्ञान के अध्यापन का परिशीलन बी.एस.शाह, प्रकाशन अहमदाबाद
- पटेल हरिभाई (1997) मूल्यशिक्षा गूर्जर प्रकाशन, अहमदाबाद
- त्रिवेदी आर.एन और डी.पी.शुक्ला, (2002) रिसर्च मैथोडोलोजी, कोलेज बुक डिपो. जयपुर, राजस्थान
- पंड्या आर.एस. (2010) एज्युकेशन रिसर्च, एपीएएच पब्लिशिंग कार्यालय नई दिल्ली